गिलोय

[स्रोत: पी.आई.बी.]

गत एक दशक में गिलोय (*Tinospora cordifolia*) से संबंधित शोध प्रकाशनों में **376.5%** की वृद्धि हुई है (वर्ष 2014 में 243 से वर्ष 2024 में 913), जो इस पौधे की चिकित्सीय क्षमता में बढ़ती वैश्विक रुचि को उजागर करता है।

- **परिचय:** यह **मेनिस्पर्मेसी कुल** से संबंधित एक **आरोही क्षुप (Shrub)** है।
  - यह मूलतः **भारत** में पाया जाता है, लेकिन चीन, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में भी पाया जाता है।
  - इसकी सर्वोत्तम वृद्धि **कोष्ण जलवायु** और मध्यम काली या लाल मृदा में होती है।
  - इसका प्रयोग पारंपरिक रूप से **बुखार, मधुमेह, संक्रमण, गठिया, पीलिया, अस्थमा, अतिसार और त्वचा रोगों** के उपचार के लिये किया जाता है।
  - कोविड-19 महामारी से प्रतिरक्षा बढ़ाने वाली **प्राकृतिक औषधियों** में वैज्ञानिकों की रुचि बढ़ी, जिससे अधिक शोध किया गया।

//

- **नैदानिक अध्ययनों** के अनुसार गिलोय निम्नलिखित मामलों में प्रभावी है:
  - **कैंसर चिकित्सा** (जैसे, HPV-पॉज़िटिव गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर उपचार)।
  - **स्वप्रतिरक्षी रोग प्रबंधन** (जैसे, इडियोपैथिक ग्रैनुलोमैटस मैस्टाइटिस)।
  - चिरकालिक रोगों में **सूजनरोधी अनुप्रयोग।**
  - **गिलोय (गुडुची या अमृता)** का उपयोग आयुष प्रणालियों में सदियों से इसके प्रतिरक्षा-बढ़ाने वाले और अनुकूली गुणों के कारण किया जाता रहा है।

और पढ़ें: गिलोय या गुडुची

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/giloy-1